तुम हो जौहरी सबकों बनाते साहूकार
ज्ञानरत्न के अविनाशी जवाहरात देते दान
संग ही बनाता हीरा ,संग से ही बनते ठिक्कर
जो होते ज्ञानवान और योगी,उनसे ही रखना
संग
मैं-पन का त्याग कर निरहंकारी हो करनी
रूहानी सेवा
तुम शिव-शक्ति कंबाइंड हो सदा स्मृति में रखना
तभी मिलता सम्पन्न भव का वरदान
सदा सुखदाई सीट पर सेट रहो
और अती -इन्द्रिय सुख के झूले झूलो
तब ही विस्मृति के संस्कार समाप्त हो
पावरफुल स्मृति से आत्माओं को योग्य और
योगी बनाओ

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!